B.Com. (HONS)
P3- A/cs & Finance (H)
Paper- VI
Cost and Management Accounting.
Date- 06.08.2020

प्रो० धनंजय कुमार
अतिथि प्राध्यापक
वाणिज्य विभाग
V.S.J. College.
राजनगर (मधुबनी)

UNIT - IV
TOPIC - RATIO ANALYSIS

(C) ACTIVITY RATIOS :- यह अनुपात व्यापार दृष्टि से उपक्रम के कार्य निष्पादन तथा प्रबंधकों की कार्यकुशलता का मूल्यांकन करने के उद्देश्य से ज्ञात किया जाता है। तथा यह निष्कर्ष निकाला जाता है कि उपक्रम उपलब्ध साधनों एवं सेवाओं का कुशलतापूर्वक पालन कर रही है, एवं विभिन्न नीतियों का किस सीमा तक पालन किया जा रहा है। इसके अंतर्गत निम्नलिखित अनुपातों की गणना की जाती है:—

(1) स्कन्ध आवर्त अनुपात
(STOCK TURNOVER RATIO) :- यह अनुपात एक निश्चित अवधि में बेचे गये माल की लागत तथा उस अवधि के स्टॉक के औसत रकम के बीच संबंध स्थापित करता है। इस अनुपात का प्रमुख उद्देश्य यह पता लगाना होता है कि स्टॉक का सही उपयोग हो रहा है या नहीं। इसकी गणना निम्न प्रकार से की जाती है:—

$$\text{STOCK TURNOVER RATIO} = \frac{\text{Cost of Goods Sold}}{\text{Average Stock}}$$

जहाँ, Cost of Goods Sold = Opening stock + Purchases + Wages + Direct Exp. − Closing stock.

or

Cost of Goods Sold = Sales − Gross Profit

$$\text{Average stock} = \frac{\text{Opening stock} + \text{Closing stock}}{2}$$

नोट:— (i) यदि cost of goods sold ज्ञात न हो तब Net sales का प्रयोग किया जा सकता है।

(ii) यदि Average stock न दिया हो केवल stock का प्रयोग किया जाता है।

(2) देनदार आवर्त अनुपात (DEBTORS TURNOVER RATIO) :— यह अनुपात शुद्ध उधार बिक्री एवं औसत देनदार के बीच संबंध स्थापित करता है। यह प्रबंध पक्ष से देनदारों से रुपया वसूली में कुशलता का माप करता है। यह अनुपात जितना अधिक होगा उतना अच्छा माना जाता है। इसकी गणना निम्न प्रकार से की जाती है:—

$$\text{DEBTORS TURNOVER RATIO} = \frac{\text{Net credit sales}}{\text{Average Debtors}}$$

जहाँ,

$$\text{Net credit sales} = \text{Total sales} - \text{Cash sales} - \text{Sales Return}$$

$$\text{Average Debtors} = \frac{\text{Opening Debtors} + \text{Closing Debtors}}{2}$$

नोट:— यदि प्राप्य Bills Receivables दिया रहे तो Debtors में शामिल किया जायेगा।

Average collection period (औसत वसूली अवधि) :— देनदारों से उधार बिक्री की राशि औसतन कितनी अवधि में वसूल हो जानी चाहिए। इस संबंध में इसकी गणना निम्न प्रकार से की जाती है:—

$$\text{Average collection period (in Days)} = \frac{\text{Average Debtors}}{\text{Net credit sales}} \times 365$$

or

$$\text{(in Months)} = \frac{\text{Average Debtors}}{\text{Net credit sales}} \times 12$$